* परिवार में बाल्यावस्था को प्रभावित करने वाले कारक
(factor Affecting of childhood in family)

बालक जन्म से लेकर तीन - चार साल तक परिवार जनों के साथ गुजारता है तत्पश्चात, वह सामाजिक एवं विद्यालयी वातावरण के सम्पर्क में आता है। बाल विकास की प्रथम सीढ़ी परिवार में ही विकसित व पल्लवित होती है। परिवार के संस्कार एवं गतिविधियाँ बालक के कोमल मन पर अंकित हो जाती है। इन्ही विचारों और तथ्यों पर वह अपने विकास का भव्य महल खड़ा करता है। परिवार का वातावरण बाल विकास के प्रत्येक पक्ष को प्रभावित करता है। इसलिए परिवार में बच्चों के साथ प्रेम एवं दया की भावना रखनी चाहिए। जिससे की उनका सर्वांगिण विकास हो सके।

परिवार में बाल्यावस्था को प्रभावित करने वाले कारक निम्नलिखित है! —

(i) शारीरिक विकास — (Physical Development) — जिस परिवार में बालकों को सन्तुलित एवं पौष्टिक आहार प्रदान किया जाता है, उस परिवार के बच्चों का शारीरिक विकास उच्च स्तर का होता है वहीं

2021

जिस परिवार के बच्चों के आहार पर विशेष ध्यान नहीं दिया जाता उस परिवार के बच्चों का शारीरिक विकास अवरुद्ध हो जाता है अतः यह कहा जा सकता है कि बाल्यावस्था में बालकों के शारीरिक विकास की निर्भरता परिवार की पृष्ठभूमि पर निर्भर करती है।

Scanned by CamScanner

2. मानसिक विकास (Mental Development)

पारिवारिक पृष्ठभूमि का बालक के मानसिक विकास पर भी प्रभाव पड़ता है, जिन परिवारों में व्यक्तियों की सोच श्रेष्ठ होती है तथा बालकों का खास ध्यान रखा जाता बालकों के उचित आहार एवं विश्राम का ध्यान रखा जाता है। उन परिवारों में बालकों का मानसिक विकास उच्च स्तरीय होता है। वहीं जिस परिवार में बच्चों का खास ध्यान नहीं रखा जाता वहाँ बच्चों का मानसिक विकास संतुलित रूप में नहीं होता है।

3. संवेगात्मक विकास (Emotional Development)

जिन परिवारों में माता-पिता तथा परिवार के अन्य सदस्यों में संवेगात्मक स्थिरता पायी जाती है तथा वे अपने संवेगों पर आवश्यकता एवं परिस्थिति के अनुसार नियंत्रण भी कर सकते हैं। उन परिवारों के बालकों का संवेगात्मक विकास संतुलित होता है क्योंकि बालकों में अनुकरण की प्रवृत्ति पायी जाती है। इस प्रवृत्ति के अनुरूप ही बालक संवेगात्मक स्थिरता एवं आत्म नियंत्रण आदि तथ्यों को सीखता है।

4. भाषा विकास (Language Development)

बालक के भाषा विकास पर भी परिवार का पूर्ण प्रभाव पड़ता है। बालकों की भाषा

Scanned by CamScanner

का विकास उनके परिवार में बोली जाने वाली भाषा एवं शुद्धता के उपर निर्भर करता है। जिस परिवार में अशुद्ध उच्चारण होता है तथा अपभ्रंश एवं अनैतिक भाषा का प्रयोग होता है उस परिवार के बच्चों का भाषायी विकास उतना बेहतर रूप से विकसित नहीं हो पाता है।

5. सामाजिक विकास (Social Development)

बालक के सामाजिक विकास पर भी परिवार का प्रभाव प्रत्यक्ष रूप से पड़ता है, जब परिवार के सदस्यों को बालक सामाजिक गतिविधियों में भाग लेते हुए देखता है तो वह भी सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेने की इच्छा रखता है। इसके लिए वह परिवार के सदस्यों के साथ सामाजिक क्रियाकलापों को सम्पन्न करता है। इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि सामाजिक कार्यों को सम्पन्न करने वाले परिवारों में बालकों का सामाजिक विकास तीव्र एवं उच्च स्तरीय होता है। इसके विपरीत स्थिति में जिस परिवार के व्यक्ति सामाजिक कार्यों में भाग नहीं लेते वहाँ बच्चों का भी सामाजिक विकास
31 Sunday
ना मात्र का हो पाता है।

6. चारित्रिक विकास (Character Development) - जिस परिवार के सदस्य उच्च चरित्र वाले होते हैं तथा उनमें पूर्ण चारित्रिक गुण

Scanned by CamScanner

2021

पायें जाते हैं तो परिवार का यह प्रभाव बालकों पर अवश्य पड़ता है। एवं ऐसे परिवार के बालक भी पूर्णतः गुणयुक्त होते हैं तथा जिस परिवार में लोग चरित्रहिन होते हैं उस परिवार के बच्चे भी चरित्रहीन ही होते हैं।

7. सृजनात्मक विकास (Creative Development) :— सृजनात्मक विकास पर भी पारिवारिक पृष्ठभूमि का प्रभाव पड़ता है। जिन परिवारों का शैक्षिक स्तर उच्च होता है तथा उनका किसी सृजनात्मक कार्य से सम्बन्ध होता है। उन परिवारों के बालकों की सृजन शक्ति तीव्र गति से विकसित होती है। उदाहरणार्थ, खिलौने बनाने वाले के परिवार में विभिन्न प्रकार की मूर्तियों की रचना करना बालक स्वतः ही सीख जाते हैं। डॉक्टर का डॉक्टर एवं इंजीनियर का बालक इंजीनियर बनने की चाह रखते हैं। वहीं व्यवसाय से जुड़े लोगों के बच्चे व्यवसायी ही बनना चाहते हैं।

8. शैक्षिक विकास (Educational Development) :— जिन परिवारों में शिक्षा का स्तर उच्च होता है उन परिवारों में शिक्षा को महत्व प्रदान किया जाता है। बालकों को अध्ययन की विशेष सुविधाएँ उपलब्ध

Scanned by CamScanner

कराई जाती है। परिणाम स्वरूप बालकों का शैक्षिक विकास तीव्र गति से होता है, वहीं जिन परिवारों में बालकों के लिए शैक्षिक वातावरण उपलब्ध नहीं होता वहाँ बालकों का शैक्षिक विकास अवरुद्ध हो जाता है।

9. मूल्यों का विकास (Development of Values) :— जिन परिवारों का वातावरण नैतिक मूल्य, मानवीय मूल्य एवं सामाजिक मूल्यों से युक्त होता है। उन परिवारों के बालक भी मूल्यों से समृद्ध होते हैं। वहीं जिन परिवारों में मूल्यों का स्तर गिरा हुआ होता है वहाँ बच्चों के मूल्यों का विकास नगन्य होता है।

10. दक्षता का विकास (Competency Development) — जिन परिवार में विभिन्न प्रकार के कौशलों से युक्त कार्य किये जाते हैं, उन परिवारों के बालकों में दक्षताओं का विकास तीव्रता से होता है जैसे — लेखक के परिवार में बालकों का कहानी लेखन एवं पत्र लेखन आदि में दक्षता प्राप्त करना तथा मूर्तिकार के परिवार में बालकों का मूर्ति निर्माण की दक्षता प्राप्त करना आदि। अतः इस प्रकार से यह कहा जा सकता है कि दक्षता पूर्ण विकास में परिवार का बहुत अधिक योगदान होता है।

Scanned by CamScanner